विश्व पर्यावरण दिवस, 2018, " प्लास्टिक प्रदूषण "
वन उत्पादकता संस्थान, रांची
दिनांक – 05.06.2018

विश्व पर्यावरण दिवस, 2018 के अवसर पर वन उत्पादकता संस्थान रांची द्वारा दिनांक 05.06.2018 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) डा. शरद तिवारी, वैज्ञानिक - एफ, के नेतृत्व में "प्लास्टिक प्रदूषण" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गयी| डा. शरद तिवारी, वैज्ञानिक - एफ, ने विश्व पर्यावरण दिवस 2018 के अवसर पर मुख्य अथिति **Central Institute of Plastics Engineering & Technology** (CIPET) के निदेशक श्री अनिल कुमार सिंह का स्वागत किया| इस अवसर पर कृषि-वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष, डा. संजय सिंह वैज्ञानिक - एफ, ने संगोष्ठी में प्लास्टिक प्रदूषण विषय पर अपना विचार व्यक्त किया| उन्होने कहा कि आज के समय में प्लास्टिक की उपयोगिता ज्यादा है और ये घर-घर में किसी न किसी रूप में उपयोग किया जाता है| साथ में इसका उपयोग, चिकत्सा, मोटर-गाड़ी, लैप टॉप, टीवी, विद्दूत सामग्री,आदि में भी उपयोग होता है| इन्होने कहा प्लास्टिक से ज्यादा खतरा/प्रदूषण पोलिथीन से है| इससे नदियाँ, समुद्र, एवं पर्यटक स्थल पर प्रदूषण बढ़ रहा है| इसकी क्षरण के वारे में विश्व स्तर पर सोच बनानी होगी, क्योंकि इनके लंबे समय तक वातावरण में उपस्थिती पृथ्वी पर किसी जीव, प्राणी या वस्तु को प्रभावित करती है | इन्होने कहा की हमें प्लास्टिक ही नहीं बल्कि प्रदूषण से भी लड़ना है| सिपेट के निदेशक एवं प्रमुख श्री अनिल कुमार सिंह ने प्लास्टिक प्रदूषण पर अपना वक्तव्य रखा| इन्होने कहा प्लास्टिक नही वल्की पोलीथीन ही बड़ी समस्या है| इसकी खामियां को बताते हुए इस पर पूर्ण प्रतिबंध करने की आवश्यकता है| श्री अनिल कुमार सिंह ने पोलीथीन के क्षरण के वारे में बताया कि वैज्ञानिक तरीके

से इस पर कार्य किया जा रहा है| डा. अभीत लकरा वैज्ञानिक , सिपेट रांची ने कहा की प्लास्टिक के रसायन वातावरण के लिए ज्यादा खतरनाक है| पोलीथीनवैग / कैरीबैग, विश्व पर्यावरण का दुश्मन है क्यों कि इसका इस्तेमाल एवं निस्तारण सही तरीके से नही किया जाता है| इसके लिए आमलोंगों में जागरूकता लानी होगी| डा. शरद तिवारी वैगानिक एफ, ने भी प्लास्टिक प्रदूषण पर अपना विचार रखा उन्होने बताया प्लास्टिक का उपयोग सही तरीके से हो और उसे उचित जगह एवं सही तरीके से उसका निस्तारण हो| इन्होने कहा कि 5 जून ही नहीं बल्की विश्व पर्यवरण दिवस "प्लास्टिक प्रदूषण" से बचाव का अनुपालन प्रतिदिन हो| श्री रविशंकर प्रसाद, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी,
श्रीबी.डी. पंडित, तकनीकी अधिकारी ने भी "प्लास्टिक प्रदूषण" विषय पर अपने विचार वयक्त किए | इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आर.एस.कुजुर ने किया|
मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार सिंह, डा.शरद तिवारी, वैज्ञानिक - एफ, डा. संजय सिंह, वैज्ञानिक - एफ ने कृषकों को बांस के पेड़ परदान किए एवं संबोधन भी किया की प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम 6 पौधे लगाना चाहिए| अंत में प्रभागाध्यक्ष विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष ने धन्यवाद ज्ञापन दिया|
विश्व पर्यावरण दिवस, 2018 के कार्यक्रम में श्रीमती रूबी सुशाना कुजुर वैज्ञानिक – सी., श्री एस. एन. वैद्य, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री निसार आलम, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री बी. डी. पंडित, तकनीकी अधिकारी, एवं श्री बसंत कुमार वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने योगदान दिया|

SEMINAR ON PLASTIC POLLUTION
INDIA
2018

SEMINAR ON PLASTIC POLLUTION
BEAT PLASTIC POLLUTION
INDIA 2018
UN environment
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY

SEMINAR ON PLASTIC POLLUTION
BEAT PLASTIC POLLUTION
WORLD ENVIRONMENT DAY
INDIA 2018
UN environment
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY

SEMINAR ON PLASTIC POLLUTION
BEAT PLASTIC POLLUTION
WORLD ENVIRONMENT DAY
INDIA 2018
UN environment
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY